गोड्डा, साहिबगंज, दुमका, देवघर , गिरिडीह, हजारी बाग , फ्लामू, लोहरदंगा , गुमली , रांची , पश्चिम सिहं भूम , अररिया, और किशनगंज,

उड़ीसा : संबलपुर, क्योझर, मयूरभज , फूलबनी, बालगीर , कालाहांडी , कोरापुट और गंजाम।

(ख) प्रारंभिक शिक्षा को सर्वसुलभ बनाने तथा स्कूल की पढ़ाई बीच में ही छोड़ने वालों के लिए अनौपचारिक शिक्षा हेतु राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के अन्तर्गत प्रौढ़ शिक्षा हेतु राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के अन्तर्गत प्रौढ़ शिक्षा का एक त्रिआयमी कार्यनीति बनाई गई हैं ताकि बिहार और उड़ीसा की साक्षरता दर में सुधार हो सके। आपरेशन ब्लैकबोर्ड की योजना के अन्तर्गत प्राथमिक स्कूलों में आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सृजित की जा रही हैं। सतत शिक्षक प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षक क्षमता में सुधार लाया जाता हैं। तथा अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से शिक्षा सुलभ कराई जाती हैं।

अब तक बिहार में संपूर्ण साक्षरता अभियानों के अन्तर्गत 18 जिले तथा उत्तर साक्षरता अभियानों के अन्तर्गत 4 जिले शामिल किए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त बिहार शिक्षा परियोजना वर्ष 1991-92 से कार्यन्वित की जारी है।

मयूंरभंज , पुरी , और फूलबनी को छोड़कर उड़ीसा के सभी जिलों को पूर्ण रूप से आशिक / रूप से संपूर्ण , साक्षरता अभियान के अन्तर्गत शामिल कर लिया गया हैं । कालाहांडी सुदंरगढ़ , क्योझर तथा धेनकानाल को उत्तर साक्षरता अभियानों के अन्तर्गत शामिल कर लिया गया हैं। कोरापुट , बोलंगीर तथा गजपति जिलों को आंशिक रूप से उत्तर साक्षरता अभियानों के अन्तर्गत शामिल कर लिया गया हैं।

Collection of Toll from Pilgrims at Old Goa Churches by ASI

666. SHRI JOHN F. FERNANDES: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the news reports in the Press regarding ASI (Archaeological Survey of India) collecting a toll of Rupees Two from every pilgrim and Tourist visiting Old Goa, Goa Churches in the garb of maintenance of monuments;

(b) if so, when this decision was taken and at what level;

(c) whether Government are aware that this lead to obstruction of pilgrims visiting s Holy Shrine of St. Francis Xavier and also hurt the religious sentiments of a minority community; and

(d) in view of their resentment, whether Government will reconsider its decision and see that no toll is collected from the pilgrims/devotees?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPTT. OF EDUCATION AND DEPTT. OF CULTURE) (KUMARI SELJA): (a) Yes, Sir. No fee at the monuments in Old Goa is charged from pilgrims and tourists.

(b) The Govt, had notified its intention of imposing entry fee on important monuments under which category the Convent of St. Francis of Assissi, Velha Goa (Old Goa) also comes. Objections have been received against the levying of the entry fee.

(c) No fee has been proposed on the holy shrines of St. Francies Xavier.

(d) Does not arise.

Establishment of Centres for Transfer of Technology

667. SHRI VIRENDRA KATARIA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government is planning to set up about 500 new centres in the country for assessing the needs of farmers and to develop suitable technology and transfer the same to them;

(b) if so, the number of such centres already selected in Punjab under the pilot project to boost

agricultural production; and

(c) the details of new centres to be set up in the country with details of thefr locations and other financial and technical assistance to be provided to farmers?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI MOHD. AYUB KHAN): (a) No, Sir. However, this year the Council has launched a Pilot Project on Technology Assessment and refinement through Institution Village Linkage Programme at 42 centres in the country. This Project is for the year 1995-96 and 1996-97 on *adhoc* basis.

(b) One centre has been allotted to Punjab Agricultural University, Ludhiana to be located at Regional Research Station for Kandi Area, Ballowal-Saunkhri, Balachaur, Distt. Nawanshahar.

(c) In this plan no new centre is to be opened. Based on its impact, the Council will think about its continuation in next plan.

उर्वरकों का आयाता एवं निर्यात

668. **श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्र :** क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 16994-95 के दौरान विभिन्न किस्मों के उर्वरकों का कितनी –कितनी मात्रा में आयात- निर्यात किया गया,

(ख) आयात/ निर्यात किये गये उर्वरकों का ब्यौरा क्या है, उन पर कितना व्यय किया गया अथवा उनसे कितनी विदेशी मुद्रा आर्जित की गई ;

(ग) किन – किन देशों से उर्वरकों का आयात किया गया है किन- किन देशों को इसका निर्यात किया गया, और

(घ) गत तीन वर्षो के दौरान एम .एम. टी. सी द्वारा विदेशी मुद्रा के रूप में आयात पर कितनी धनराशि ,खर्च की गई और इसके निर्यात से कितनी धन राशि अर्जित की गई ?

रसायन और उर्वरकों मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुआर्डो फेलेरियों): (क) से (ग) 1994-95 के दौरान देश में प्रयोग किये जाने वाले मुख्य उर्वरकों की निम्नलिखित मात्रा का आयात किया गया था।

वस्तु	मात्रा लाख टन	कुल लागत तथा भाड़ा मूल्य (रू करोड़ में)
यूरिया	28.84	1610.17
ण्म. ओ . पी.	*18.48	एन ए
डी. ए.पी .	*8.25	एन ए

अनियंत्रण तथा सारणीबद्ध के बाद किये गये आयातों के आंकड़े केवल अनुमानित हैं।

1994-95 के दौरान यूरिया का आयात बंगला देश , बूल्गारिया . सी आई एस, इण्डोनेशिया , कुवैत , लिबिया , कतार, रोमानिया, सरूदी- अरेबिया तथा यू . ए.ई से किया गया था।

डी .ए.पी. तथा एम.ओ .पी नियंत्रणमुक्त हैं । डी.ए.पी आयात के मुख्य स्रोत अमेरिका , जोर्डन , सऊदी – अरेबिया, मेक्सिकों तथा सी.आई एस हैं । एम ओपी का आयात सी आई.एस. जोर्डन इसरायल तथा सिंगापुर से किया गया था। जर्मन तथा कनाड़ा से एम.ओ.पी का आयात द्विपक्षीय सहायता के अंतर्गत किया गया था।

बंगला देश को सिंगल –सुपर फास्टेट तथा बेहरीन , आबूदाबी तथा ताइवान को एन. पी के उर्वरकों के निर्यात के लिए " अनापत्ति" स्वीकृति की गयी थी ।

(घ) गत तीन वर्षो के दौरान विभित्र किस्म के उर्वरकों के आयात पर एम.एम.टी सी द्वारा खर्च की राई कल विदेशी – मुद्रा तथा उर्वरकों के निर्यात से अर्जित विदेशी मुद्रा निम्न प्रकार हैः-

क्रम सं	वर्ष	विदेशी मुद्रा अमेरिकी डालर (मिलियन में)	
		उर्वरकों के आयात पर खर्च की गयी राशि	उर्वरकों के निर्यात से आर्जित राशि
1.	19992-93	866.37	-
2.	1993-94	294.17	2.02
3.	1994-95	559.54	-